बांग्लादेश ने रचा इतिहास, आस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार जीती वनडे द्विपक्षीय सीरीज

नई दिल्ली

बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में बांग्लादेश ने आस्ट्रेलिया को हराकर पहली बार किसी द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में कंगारू टीम पर विजय हासिल की। इस ऐतिहासिक जीत के साथ बांग्लादेश ने तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त बना ली और देशभर में जश्न का माहौल बन गया।

कप्तान मेहदी हसन मिराज के विजयी छक्के ने इस यादगार सफलता पर मुहर लगा दी। बारिश से प्रभावित मुकाबले में बांग्लादेश को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न पद्धति के तहत 41 ओवर में 192 रन का लक्ष्य मिला था। मैच के अंतिम चरण में कप्तान मेहदी हसन मिराज और तौहीद हृदय क्रीज पर मौजूद थे। 35वें ओवर की अंतिम गेंद पर मिराज ने राइली मेरेडिथ की गेंद को डीप लान्ग लेग के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इस शाट के साथ बांग्लादेश ने 35 ओवर में पांच विकेट खोकर 195 रन बनाते हुए ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ली।

इससे पहले टास हारकर बल्लेबाजी करने उतरी आस्ट्रेलियाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। पारी के पहले ही ओवर में मैथ्यू शार्ट बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद कूपर कानोली और मैट रेनशा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। शुरुआती झटकों के बाद कप्तान जोश इंग्लिस ने 34 रन बनाकर पारी को संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। एलेक्स कैरी 13 रन बनाकर आउट हुए और आस्ट्रेलिया का शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया। टीम संकट में थी तब मार्नस लाबुशेन और जेवियर बार्टलेट ने जिम्मेदारी संभाली। लाबुशेन ने 85 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए, जबकि बार्टलेट ने 48 गेंदों में 52 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। दोनों की बदौलत आस्ट्रेलिया 42 ओवर में आठ विकेट पर 187 रन तक पहुंचने में सफल रहा। बांग्लादेश की ओर से तास्किन अहमद और मुस्तफिजुर रहमान ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि तनवीर इस्लाम ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और तंजीद हसन तमीम बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद सौम्य सरकार और नजमुल हुसैन शांतो ने पारी को संभाला। सौम्य ने 42 और शांतो ने 41 रन बनाए। मध्यक्रम में लिटन दास ने 21 रन का योगदान दिया, जबकि तौहीद हृदय ने नाबाद 40 रन बनाकर जीत की नींव मजबूत की। अंत में मेहदी हसन मिराज ने 22 रन की उपयोगी पारी खेलते हुए टीम को ऐतिहासिक मंजिल तक पहुंचाया। यह जीत बांग्लादेश क्रिकेट के लिए केवल एक श्रृंखला विजय नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत और निरंतर प्रगति का प्रतीक मानी जा रही है। विश्व क्रिकेट की सबसे मजबूत टीमों में शामिल आस्ट्रेलिया को द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में हराकर बांग्लादेश ने साबित कर दिया है कि वह अब बड़े मंचों पर किसी भी टीम को चुनौती देने की क्षमता रखता है।

न्यूज ब्रीफ

फीफा विश्व कप : ह्वांग इन-बोम के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को 2-1 से हराया

ग्वाडलाहारा। फीफा विश्व कप 2026 के मुकाबले में दक्षिण कोरिया ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य को 2-1 से हराकर जीत दर्ज की। ग्वाडलाहारा स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शुक्रवार सुबह खेले गए इस मुकाबले में ह्वांग इन-बोम एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायता देकर जीत के नायक बने। पहले हाफ में दोनों टीमें अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सकीं और दर्शकों ने निराशा भी जताई। गोलरहित पहले हाफ के बाद मुकाबले में जान दूसरे हिस्से में आई। 59वें मिनट में चेक गणराज्य ने बढ़त बनाई। कप्तान लादिस्लाव क्रेजी ने पेनल्टी क्षेत्र में मिले लंबे थ्रो को हेडर के जरिए गोल में बदलकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि दक्षिण कोरिया ने जल्द ही वापसी की। 67वें मिनट में ह्वांग इन-बोम ने शानदार व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन करते हुए दो रक्षकों को छकाया और शानदार गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद 80वें मिनट में ह्वांग ने दाएं छोर से बेहतरीन क्रॉस दिया, जिस पर ओ ह्योन-ग्यू ने गोल कर दक्षिण कोरिया को निर्णायक बढ़त दिला दी। स्टार फॉरवर्ड सोन ह्युंग-मिन की अगुआई में दक्षिण कोरिया ने पूरे मैच में गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और चेक टीम पर लगातार दबाव बनाया। फीफा रैंकिंग में 25वें स्थान पर मौजूद कोरिया ने 38वीं रैंकिंग वाली चेक टीम की तुलना में अधिक मौके बनाए और अंततः जीत हासिल की। यह चेक गणराज्य का 2006 के बाद पहला विश्व कप मुकाबला था, लेकिन टीम वापसी नहीं कर सकी। स्टेडियम की क्षमता 45,664 होने के बावजूद आधिकारिक दर्शक संख्या 44,985 दर्ज की गई, हालांकि कई हिस्सों में सीटें खाली दिखाई दीं।

अफगानिस्तान ए' से हार के बाद तिलक वर्मा निराश, बोले- बारिश नहीं होती तो नतीजा अलग हो सकता था

नई दिल्ली। दांबुला में खेली जा रही त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में अफगानिस्तान ए' ने बड़ा उलटफेर करते हुए भारत ए' को डकवर्थ-लुईस-स्टर्न नियम के आधार पर चार रन से हरा दिया। वर्षा से प्रभावित इस मुकाबले में भारत ए' ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 349 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था, लेकिन बारिश के कारण बदले समीकरणों ने अंततः अफगानिस्तान ए' को जीत दिला दी। हार के बाद भारतीय कप्तान तिलक वर्मा ने निराशा जताते हुए कहा कि यदि मैच पूरा खेला जाता तो परिणाम कुछ और हो सकता था। मुकाबले में भारत ए' के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने 69 गेंदों पर 84 रन बनाए, जबकि उपकप्तान रुतुराज गायकवाड़ और कप्तान तिलक वर्मा ने 66-66 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने भी आक्रामक अंदाज में 22 गेंदों पर 44 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। बारिश के कारण मुकाबले को 50 के बजाय 49 ओवर का कर दिया गया था, लेकिन इसके बावजूद भारतीय बल्लेबाजों ने नौ विकेट पर 349 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

विश्व कप 2026: रैना ने बताई हार्दिक की चिंता, कुंबले ने की युवा प्रिंस यादव की तारीफ

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने आगामी वनडे विश्व कप 2026 से जुड़ी भारतीय टीम की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण सलाह दी है। रैना का मानना है कि चोटों से लगातार जूझ रहे आलराउंडर हार्दिक पांड्या के लिए भारत को एक भरोसेमंद विकल्प तलाशना होगा और उसे प्राथमिकता के साथ तैयार किया जाना चाहिए, क्योंकि हार्दिक की फिटनेस संबंधी समस्याएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। मौजूदा समय में भी हार्दिक चोट के चलते अफगानिस्तान के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज से बाहर हैं। रैना ने एक चैनल पर अपनी राय व्यक्त करते हुए नितीश कुमार रेड्डी को एक उपयुक्त विकल्प बताया। उन्होंने नितीश की बल्लेबाजी में सुधार, अच्छी गति और नियंत्रण के साथ गेंदबाजी तथा बेहतरीन फिटनेस की सराहना की। रैना ने टीम प्रबंधन को उनके काम के बोझ का सावधानीपूर्वक प्रबंधन करने और उन्हें लगातार अवसर प्रदान करने का सुझाव दिया।

भारतीय हॉकी के लिए रोमांचक हैं अगले दो सप्ताह पुरुष-महिला टीमों के होंगे कई अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

नई दिल्ली

भारतीय हाकी प्रशंसकों के लिए आगामी दो सप्ताह बेहद रोमांचक होने वाले हैं। 14 से 28 जून तक भारतीय पुरुष और महिला हाकी टीमें अलग-अलग महाद्वीपों में महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी, जिससे लगभग हर दिन भारतीय हाकी देखने का मौका मिलेगा। भारतीय पुरुष टीम यूरोप में एफआईएच हाकी प्रो लीग 2025-26 में हिस्सा लेगी, जबकि भारतीय महिला टीम न्यूजीलैंड के आकलैंड में एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप खेलेगी। यह दौरा इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इसी वर्ष विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट होने हैं। ऐसे में इन मुकाबलों को टीम संयोजन और खिलाड़ियों की तैयारी की दृष्टि से अहम माना जा रहा है। पुरुष टीम की शुरुआत राटरडैम में विश्व नंबर-1 नीदरलैंड के खिलाफ होगी। इसके बाद टीम मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से लगातार दो मुकाबले खेलेगी। बाद में लंदन में भारत-पाकिस्तान की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता भी देखने को मिलेगी, जो इस दौरे का सबसे चर्चित हिस्सा मानी जा रही है।

दूसरी ओर भारतीय महिला टीम का लक्ष्य नेशंस कप जीतकर अगले सत्र की एफआईएच प्रो लीग में वापसी करना होगा। आकलैंड में होने वाला यह टूर्नामेंट महिला टीम के लिए विश्व स्तरीय मंच पर अपनी दावेदारी मजबूत करने का अवसर है।

पूर्व भारतीय हाकी खिलाड़ी रूपिंदर पाल सिंह ने कहा कि यह समय खिलाड़ियों और प्रशंसकों दोनों के लिए विशेष है क्योंकि हर मुकाबले का महत्व बहुत बड़ा है। वहीं पूर्व कप्तान रानी ने कहा कि दोनों भारतीय टीमों का एक साथ इतने बड़े मंचों पर खेलना भारतीय हाकी की बढ़ती ताकत को दर्शाता है।

भारतीय पुरुष टीम - एफआईएच हाकी प्रो लीग कार्यक्रम

- 14 जून - नीदरलैंड बनाम भारत
- 17 जून - भारत बनाम जर्मनी
- 18 जून - जर्मनी बनाम भारत
- 21 जून - नीदरलैंड बनाम भारत
- 23 जून - पाकिस्तान बनाम भारत
- 25 जून - इंग्लैंड बनाम भारत
- 26 जून - भारत बनाम पाकिस्तान
- 28 जून - इंग्लैंड बनाम भारत

भारतीय महिला टीम - एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप कार्यक्रम

- 15 जून - भारत बनाम अमेरिका
- 16 जून - भारत बनाम जापान
- 18 जून - भारत बनाम उरुग्वे
- 20-21 जून - नाकआउट / वर्गीकरण मुकाबले

भारतीय पुरुष टीम के मुकाबलों का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा और लाइव स्ट्रीमिंग जियोहाटस्टार पर उपलब्ध होगी। महिला टीम के मैच निःशुल्क वाच हाकी प्लेटफार्म पर देखे जा सकेंगे।

फीफा विश्व कप 2026 : उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराया

मेक्सिको सिटी

फीफा विश्व कप 2026 के उद्घाटन मुकाबले में मेक्सिको ने घरेलू दर्शकों के सामने दमदार प्रदर्शन करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर अभियान की विजयी शुरुआत की। एस्टादियो एज़्टेका में गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में दूसरे हाफ में घटनाओं की भरमार रही और कुल तीन खिलाड़ियों को लाल कार्ड दिखाए गए।

मेक्सिको ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और नौवें मिनट में विश्व कप 2026 का पहला गोल देखने को मिला। दक्षिण अफ्रीका की रक्षापंक्ति की गलती का फायदा उठाते हुए जूलियन क्विनोनेस ने करीब से गेंद को गोल में पहुंचाकर इतिहास रच दिया। इस गोल के बाद एज़्टेका स्टेडियम दर्शकों के उत्साह से गूंज उठा।

दूसरे हाफ की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका की मुश्किलें और बढ़ गईं। 49वें मिनट में याया सिथोले को सीधे लाल कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। उन्होंने ब्रायन गुटिरेज़ को गोल करने की स्थिति में रोकने का प्रयास किया था, जिसे रेफरी ने स्पष्ट गोल अवसर रोकना माना।

संख्यात्मक बढ़त का फायदा उठाते हुए मेक्सिको ने 67वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। अनुभवी स्ट्राइकर राउल जिमेनेज़ ने शानदार गोल कर टीम को 2-0 की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और खराब तब हुई जब मैच के अंतिम चरण में थेम्बा ज्वाने को भी लाल कार्ड मिला और टीम नौ खिलाड़ियों तक सिमट गई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में मेक्सिको को भी झटका लगा जब 90 मिनट के बाद सेसर मोंटेस को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेजा गया।

मेक्सिको ने इस जीत के साथ विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत की और घरेलू मैदान पर अपने इरादे स्पष्ट कर दिए।

श्रीलंका दौरे के लिए भारत की अंडर-19 टीम घोषित, द्रविड़ के बेटे अन्वय को मौका

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट चयन समिति ने श्रीलंका के आगामी दौरे के लिए भारत की पुरुष अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे में भारतीय अंडर-19 टीम को तीन एकदिवसीय और दो बहु-दिवसीय मैच खेलने हैं। यशवर्धन सिंह चौहान को टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है, जबकि लक्ष्य रायचंदानी उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे। इस चयन की सबसे बड़ी बात यह है कि भारत के पूर्व कप्तान और वर्तमान कोच राहुल द्रविड़ के बेटे अन्वय द्रविड़ को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है। अन्वय ने किशोर क्रिकेट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एकदिवसीय मुकाबलों के लिए रजत बघेल के साथ अन्वय द्रविड़ को विकेटकीपर के तौर पर चुना गया है। वहीं, बहु-दिवसीय मैचों के लिए विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी मानव कृष्णा और आर्यन संदेश सकपाल को दी गई है। गौरतलब है कि बीसीसीआई की चयन समिति ने हाल ही में अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ियों को इस दल में तरजीह नहीं दी है। इसके बजाय, चयनकर्ताओं ने नए खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है, ताकि उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्रदान किया जा सके। अंडर-19 विश्व कप विजेता टीम के कई खिलाड़ी आईपीएल खेल चुके हैं, लेकिन इस मौजूदा टीम का कोई भी सदस्य अभी तक आईपीएल में नहीं खेला है।

ईडन पार्क में रचा गया था इतिहास : टी20 क्रिकेट का जन्म और बाल-आउट का ड्रामा

नई दिल्ली

महिला टी20 विश्वकप 2026 का आगाज हो चुका हैं। क्रिकेट का यह फार्मेट पहली बार कहा और कैसे खेला गया था उसे कोई भुला नहीं सकता हैं। जिसने खेल की दिशा को ही बदल दिया हैं। 16 फरवरी 2005 का दिन भी ऐसा ही एक ऐतिहासिक पल था, जब आकलैंड के ईडन पार्क में खेला गया एक मुकाबला टी20 क्रिकेट की पहचान बन गया। यह सिर्फ एक खेल नहीं था, बल्कि एक नए युग की शुरुआत थी, जहाँ रोमांच, प्रयोग और अनिश्चितता ने क्रिकेट को पूरी तरह से बदल कर रख दिया। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच खेला गया यह मुकाबला पुरुषों का पहला अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच था। उस समय शायद ही किसी ने सोचा होगा कि यह छोटा प्रारूप आने वाले समय में क्रिकेट का सबसे लोकप्रिय फार्मेट बन जाएगा। मैच की शुरुआत से ही दर्शकों को कुछ अलग देखने को मिला; खिलाड़ियों का अंदाज़, आक्रामक बल्लेबाज़ी और तेज़ रफ्तार खेल ने माहौल को पूरी तरह बदल दिया था। यह एक ऐसा फार्मेट था जो खेल के हर आयाम को चुनौती देने वाला था।

दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और अंत तक जीत-हार का फैसला नहीं हो सका। मैच टाई पर समाप्त हुआ, जो अपने आप में ही एक दुर्लभ स्थिति होती है। लेकिन असली ड्रामा तो इसके बाद शुरू हुआ, जब विजेता तय करने के लिए बाल-आउट' का सहारा लिया

गया। यह क्रिकेट का एक ऐसा नियम था, जो फुटबाल के पेनल्टी शूटआउट जैसा था, जहाँ कौशल और दबाव में प्रदर्शन की असली परीक्षा होनी थी।

बाल-आउट में दोनों टीमों के पांच-पांच गेंदबाजों को बिना बल्लेबाज़ के सीधे स्टंप पर निशाना साधना होता था। यह कौशल, संयम और दबाव में प्रदर्शन की असली परीक्षा थी। न्यूजीलैंड ने इस मौके पर जबरदस्त प्रदर्शन किया और उनके अनुभवी आलराउंडर क्रिस क्रेयन्स ने तीन बार स्टंप्स पर सटीक निशाना लगाया। दूसरी ओर, वेस्टइंडीज के गेंदबाज़ ब्रैडशा एक भी बार सफल नहीं हो सके। इस तरह न्यूजीलैंड ने 3-0 से बाल-आउट जीतकर इस ऐतिहासिक मुकाबले को अपने नाम किया। उस समय यह सिर्फ एक अनोखा अंत लगा होगा, लेकिन बाद में यह मैच टी20 क्रिकेट की पहचान बन गया, जहाँ हर पल कुछ भी अप्रत्याशित हो सकता है।

इस मुकाबले की सबसे खास बात यह थी कि इसने क्रिकेट को एक नई दिशा दी। टेस्ट और वनडे जैसे पारंपरिक प्रारूपों के बीच टी20 ने अपनी अलग जगह बनाई।

फीफा विश्व कप 2026 : 60 साल का इंतजार खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड एक बार फिर उस खिताब की तलाश में उतरेगा जिसका इंतजार उसे 1966 के बाद से है। पिछली कई पीढ़ियों की तरह इस बार भी टीम प्रतिभा से भरपूर है, लेकिन फर्क इस बार नेतृत्व में दिखाई देता है। जर्मन कोच थामस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में इंग्लैंड नई सोच और स्पष्ट रणनीति के साथ मैदान में उतरने जा रहा है।

इंग्लैंड का फीफा विश्व कप में पहला मैच 18 जून को क्रोएशिया से होगा। ट्यूशेल की नियुक्ति शुरुआत में चर्चा और आलोचना का विषय रही, लेकिन उनके नेतृत्व में इंग्लैंड ने विश्व कप क्वालीफायर में प्रभावशाली प्रदर्शन किया। टीम ने आठ मुकाबले जीते और पूरे अभियान में एक भी गोल नहीं खाया। इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास काफी बढ़ा है।

इस बार इंग्लैंड की सबसे बड़ी ताकत उसका संतुलित आक्रमण माना जा रहा है। कप्तान हैरी केन अब भी टीम के प्रमुख गोल स्कोरर हैं, लेकिन उनके आसपास मार्कस रैशफोर्ड, बुकायो साका, एंथनी गार्डन और मार्गन रोजर्स जैसे तेज और रचनात्मक खिलाड़ी मौजूद हैं। टीम की रणनीति केन की फिनिशिंग और उनके खेल निर्माण दोनों गुणों का अधिकतम उपयोग करने पर आधारित होगी।

मिडफील्ड में डेक्लान राइस पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। उनके साथ युवा इलियट एंडरसन टीम को संतुलन देने की कोशिश करेंगे। वहीं जूड बेलिंघम से भी अहम भूमिका निभाने की उम्मीद रहेगी।

हालांकि इंग्लैंड की चिंता रक्षा पंक्ति को लेकर बनी हुई है। जान स्टोन्स और रीस जेम्स चोटों से जूझते रहे हैं जबकि कई युवा खिलाड़ियों के पास बड़े टूर्नामेंट का सीमित अनुभव है। गोलकीपर जार्डन पिकफोर्ड टीम के सबसे भरोसेमंद

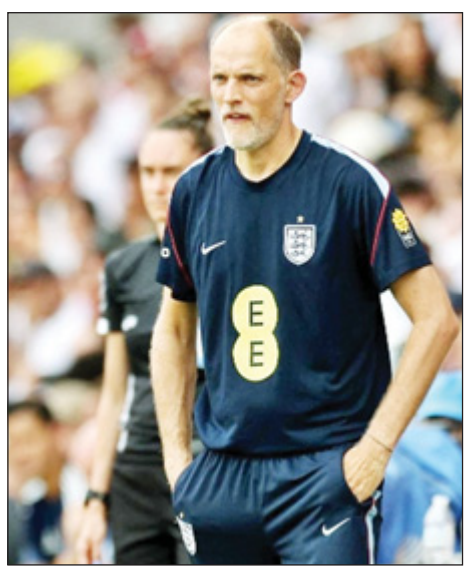

खिलाड़ियों में बने हुए हैं।

विश्व कप के दौरान अलग-अलग परिस्थितियां भी इंग्लैंड की परीक्षा लेंगी। ऊंचाई वाले मैदान और गर्म मौसम में खेलने की चुनौती टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है।

नजर रखने लायक खिलाड़ी: हैरी केन

इंग्लैंड के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैरी केन एक बार फिर टीम की उम्मीदों का केंद्र होंगे। 2018 विश्व कप गोल्डन बूट जीत चुके केन इस बार खिताब के साथ अपने करियर को नई ऊंचाई देना चाहेंगे।

कोच: थामस ट्यूशेल

यूरोप के सफल कोचों में शामिल थामस ट्यूशेल इससे पहले क्लब स्तर पर कई बड़े खिताब जीत चुके हैं। इंग्लैंड को उम्मीद है कि उनका अनुभव टीम को नाकआउट चरण में मजबूती देगा।

संभावित शुरुआती एकादश

जार्डन पिकफोर्ड; रीस जेम्स, जान स्टोन्स, मार्क गुएही, निको ओ'राइली; इलियट एंडरसन, डेक्लान राइस; बुकायो साका, मार्गन रोजर्स, मार्कस रैशफोर्ड/एंथनी गार्डन; हैरी केन

विश्व कप रिकार्ड

- भागीदारी: 16
- सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन: चैंपियन (1966)
- फीफा रैंकिंग: 4
- कुल मैच: 74
- जीत: 32
- ड्रा: 22
- हार: 20
- सर्वाधिक सक्रिय गोल स्कोरर: हैरी केन (78 गोल)।